पांच दिवसीय 68 वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ

गाडरवारा, देशबन्धु। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 17 वर्षीय बालक/ बालिका आयु वर्ग में पांच दिवसीय 68 वीं राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता 2024 का शुभारंभ प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग व जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की मौजूदगी जिले के गाडरवारा स्थित रूद्र मैदान में हुआ। कार्यक्रम में लोक सभा सांसद चौ. दर्शन सिंह व गोटेगाँव विधायक महेन्द्र नागेश भी मंचासीन थे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन और सरस्वती वंदना से की गई। काबरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल गाडरवारा एवं टैगोर पब्लिक स्कूल गाडरवारा के बैंड दल ने सलामी दी। साथ ही देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों ने भी मार्च पास्ट में शामिल होकर खेल ध्वज और अतिथियों को सलामी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मैंने ऐसा बहुत कम देखा है, जब? राष्ट्रीय स्तर के खेलों की प्रतियोगिता छोटी जगहों पर हो रही हो। अक्सर यह प्रतियोगिता महानगरों में आयोजित होती रही है। नेशनल लेवल की प्रतियोगिता की यह ज़िम्मेदारी गाडरवारा शहर को मिली है। अब हमारा भी फ़र्ज़ है कि

शुरुआती मेचों मे केरला एवं सीबीएसई नें शानदार जीत दर्ज की

देशभर से आये खिलाड़ियों का स्वागत एवं उत्साहवर्धन हमें करना है। यह भव्य कार्यक्रम परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के विशेष प्रयासों से हो पाया है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि आज क्रिकेट की पहचान पूरे विश्व में है। हमारे पारंपरिक खेल कबड्डी की भी अपनी पहचान है। हिंदुस्तान के गांव- गांव में कबड्डी खेली जाती हैं। यह खेल हमारी मिट्टी से जुड़ा है। हमने भी बचपन में इस खेल को खेला है। हमें अपने परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिये। काबरा स्कूल के बच्चों ने यहां शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। उनकी इस प्रस्तुति में अनेकता में एकता का संगम आज देखने को मिला है। गाडरवारा में दीवाली के बाद फिर दीवाली जैसा उत्सव दिखाई दे रहा है। इस आयोजन की बेहतरीन तैयारी के लिए सभी को बधाई। प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा अतिथियों द्वारा गुब्बारे उड़ाकर की।

स्वागत उदबोधन देते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गाडरवारा के लिए यह ऐतिहासिक पल है। किसी देश में जिस तरह ओलंपिक, एशियन गेम्स या अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए तैयारी की जाती है ठीक उसी तरह राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए भी तैयारियाँ करनी पड़ती है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन होना हमारे ज़िले और नगर के लिये गौरव और गरिमा की बात है। गाडरवारा में आज देश के चारों ओर से खिलाड़ी आये हैं। इन खिलाड़ियों के आने से अतुल्य भारत की झलक देखने को मिलती है। भारत की समूची संस्कृति आज गाडरवारा में दिखाई दे रही है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि देश के विभिन्न प्रदेशों से आये इन खिलाड़ियों और उनके साथ आये कोच, मैनेजर आदि के लिए समुचित व्यवस्था, भोजन, शुद्ध पेयजल, आवास व सुरक्षा की व्यवस्था करना हमारी जिम्मेदारी है। इन्हें बेहतर से बेहतर सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है ताकि जब ये खिलाड़ी प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद वापस अपने घर जायें तो बतायें कि गाडरवारा में उनकी हर सुविधा का ध्यान रखा गया है।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि पूरे भारत के दर्शन आज गाडरवारा की धरा पर हुए हैं। यहाँ राष्ट्रीय आयोजन का होना बड़ी बात है। उन्होंने सभी नागरिकों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों को लेकर आयें, उन्हें मैच दिखायें और उनका उत्साहवर्धन करें। कबड्डी का जन्म हमारे देश में हुआ है। इस खेल में पुनर्जन्म की परिकल्पना है। विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश ने सभी लोगों को इस राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम सौभाग्यशाली है कि देश की संस्कृति देखने को मिली है। देश के विभिन्न हिस्सों से आये राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी जिले व गाडरवारा का नाम याद रखेंगे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के सभी मान्यता प्राप्त प्रदेशों (इकाईयों) के कुल 34 टीमें और 770 खिलाड़ी बालक- बालिकायें शामिल हुई हैं। इसके अलावा ऑफीशियल्स भी भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में आंध्र प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षाओं के लिए परिषद, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केंद्रीय विद्यालय संगठन, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, नवोदय विद्यालय समिति, उड़ीसा, पुदुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, विद्या भारती, पश्चिम बंगाल, असम, सीबीएसई कल्याण खेल संगठन, सीबीएसई, दादर एवं नगर हवेली और दमन दीप, दिल्ली और गोवा की टीमें भाग ले रही हैं।

सार-समाचार

अचल संपत्तियों के मूल्य निर्धारण की अनुमोदित दरों को लेकर प्रस्ताव

नरसिंहपुर, देशबन्धु। जिले में स्थित अचल संपत्तियों के मूल्य निर्धारण के लिए गाईड लाइन वर्ष 2024- 25 की शेष अवधि के लिए प्रस्ताव केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड मध्यप्रदेश को प्रेषित किया जाना है। अनुमोदित दरों को जिला पंजीयक कार्यालय नरसिंहपुर एवं जिले की तहसीलों में स्थित पंजीयन कार्यालयों में देखा जा सकता है। किसी भी प्रकार की दावा- आपत्ति होने पर आगामी दो दिवस के भीतर ऑनलाइन दावे- आपत्ति आमंत्रित की जाती हैं। यह जानकारी जिला पंजीयक नरसिंहपुर ने दी है।

अंतर कक्षा युवा उत्सव में प्रतिभागियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

नरसिंहपुर, देशबन्धु। एम. आई.एम. टी. कालेज में अंतर कक्षा युवा उत्सव का आयोजन चेयरमेन इजी. रुद्रेश तिवारी के मुख्य

अतिथ्य, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग की अध्यक्षता एवं उपप्राचार्य डॉ. एस एन राव के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों ने युवा उत्सव की उपादेयता एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। स्वागत भाषण सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. पराग नेमा द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आराधना दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दीपिका शर्मा द्वारा किया गया। युवा उत्सव के अंतर्गत महाविद्यालय स्तर पर बौद्धिक-साहित्यिक, ललित कला, गायन - वादन, नृत्य एवं अभिनय की विधाओं मे चयनित प्रतिभागी जिला स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सिद्ध हनुमान मंदिर में रामचरित मानस पाठ का आयोजन

नरसिंहपुर, देशबन्धु। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर को सिद्ध हनुमान मंदिर, महुआखेड़ा धाम में रामचरित मानस पाठ का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन रामायण सत्संग मंडल के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के अनेक धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम और हनुमान जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद श्री रामचरित मानस का पाठ किया गया। जिसमें मानस की सुंदर चौपाइयों और दोहों की व्याख्या ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से अभिभूत कर दिया। आयोजन के दौरान कथावाचकों ने रामचरित मानस के विभिन्न प्रसंगों पर प्रकाश डाला और धर्मप्रेमियों को कथा का अमृत पान कराया। भक्तों ने पूरे श्रद्धा और भक्ति के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी आस्था प्रकट की। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें क्षेत्रवासियों ने सहभोज का आनंद लिया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। इस आयोजन समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रतीक बनकर क्षेत्र में आध्यात्मिक जागृति का संदेश देता है।

विराट कवि सम्मेलन में कवियों ने बिखेरे कविता के रंग

नरसिंहपुर, देशबन्धु। जिला गायत्री आयोजन समिति द्वारा ग्राम मालनवाड़ा में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।जिसमें

कवियों ने गीत गजल छंदों सहित कविता के इन्द्रधनुषी रंग बिखेरे।आचार्य थम्मन शर्मा ओज कवि अशोक त्रिपाठी हास्य कवि डा.शंकर सहर्ष द्वारा मां गायत्री के पूजन अर्चन एवं कविवर कुंज बिहारी यादव द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मां मेरी ईमान है मां मेरी भगवान है कविता से शिवपाल सिंह चौहान ने अपनी प्रस्तुति दी। कविवर प्रशांत शर्मा सरल ने यज्ञ से धरा टिकी यज्ञ ही विश्वास है, कविता सुनाकर आध्यात्म की अलख जगाई। कवि सम्मेलन का संचालन करते हुए कविवर राजेश कौरव सुमित्र ने अपनी सुंदर अभिव्यक्ति यूं दी卐राम बिराजे अब मंदिर में जय बोलो श्री राम की।आयोजन में राजेन्द्र पटेल कलिराम कौरव संदीप केशव प्रसाद शशांक अजमेर सीताराम रविशंकर मोहित स्वप्निल प्रजापति ब्रजेश उदेनिया सहित ग्राम माल्हनवाड़ा और नारगी की मां बहनों सहित अनेक श्रोता उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन आचार्य थम्मन शर्मा ने किया।

ऑनलाइन जुआ की लत में फंस रहे युवा

गाडरवारा, देशबन्धु। एंड्रायड फोन से ऑनलाइन जुआ खेलने वाले युवा और बच्चे अपनी पॉकेट मनी के साथ ही पापा और मम्मी का एटीएम चुराकर दांव लगा रहे हैं। इसकी जानकारी परिवार वालों को तब होती है, जब छोटे दांव बड़े हो जाते हैं और खाते खाली होने लगते हैं। खाते खाली होने की कई शिकायतें जब क्राइम ब्रांच को मिलीं तो पुलिस ने इस पर जांच शुरू की। जानकारी हुई कि पहले छोटे रकम यानी 50 से 100 रुपये तक का ट्रांजेक्शन किया गया। बाद में यही रकम 500 से 1000 रुपये में पहुंच गई। घर में रखे एटीएम से रुपये निकलने के बाद जानकारी परिजनों को हुई तो मामला परत दर परत खुलने लगा। आजकल कम कीमत पर मोबाइल फ़ोन और कनेक्टिविटी मौजूद हैं और इसकी वजह से ऑनलाइन जुए की लोकप्रियता पूरी दुनिया में फ़ैल रही है जो कि यह एक चिंता का विषय बन गया है। इंटरनेट के माध्यम से होने वाला ऑनलाइन जुआ कई रूप में मौजूद है। शुरू शुरू में इस तरह के ऑनलाइन जुए से जुड़ते हैं तो पैसे कमा भी सकते हैं जो कि आपको पैसे कमाने का एक आसान तरीक़ा लगने लगता है। फिर आप इस पर और अधिक पैसे खर्च करने लगते हैं लेकिन तब आपको कुछ नहीं मिलता।

कई युवा दोबारा पैसे जीतने की उम्मीद से ऑनलाइन जुए में अपने हाथ आजमाते हैं लेकिन उनमें से अधिकतर को निराशा हाथ लगती है। इससे उन्हें आर्थिक परेशानियों के साथ साथ मानसिक तनाव के दौर से भी गुज़रना पड़ता है। जब किसी इंटरनेट लिंक, वेबसाइट या मोबाइल ऐप के ज़रिए पैसे दांव पर लगाए जाते हैं तो इसे ऑनलाइन गैम्बलिंग या ऑनलाइन जुआ कहते हैं.। इसमें पोकर, ब्लैकजैक, स्लॉट मशीन और कई अन्य तरह की सट्टेबाज़ी शामिल हैं। जब कोई ऑनलाइन जुआ खेलता है तो आपके सामने एक कंप्यूटर प्रोग्राम या एक व्यक्ति हो सकता है। नए यूज़र्स को ऑनलाइन जुए की ओर आकर्षित करने के लिए शुरू शुरू में उन्हें मुफ़्त गेम खेलने की पेशकश की जाती है और सोशल मीडिया के ज़रिए उन्हें टारगेट किया जाता है। ऐप को इस तरह से डिज़ाइन किया जाता है कि जुआ खेलने वाले लंबे समय तक खेलते रहें. वो खेल के दौरान इससे पूरी तरह चिपके रहते हैं।

जब फ़्री क्रेडिट ख़त्म हो जाते हैं तब इसमें अपने पैसे लगाने पड़ते हैं. जब आप पहली बार ये जुआ खेलते हैं तो इसके बाद आपको इससे जुड़े विज्ञापन मिलने लगते हैं जो आपको वापस गेमिंग वेबसाइट पर आने के लिए आकर्षित करते हैं। डिजिटल एक्सपर्ट कहते हैं कि युवा पीढ़ी पारंपरिक जुए की तुलना में ऑनलाइन जुए की ओर बड़ी तेज़ी से आकर्षित होती है. युवा पीढ़ी को जिस तरह से डिजिटल दुनिया की जानकारी है वो इस तरह के गेम्स से आसानी से जुड़ जाते हैं जिसकी भनक उनके माता-पिता को नहीं लगती है। एक ऑनलाइन जुए से जुड़ने के लिए आपको घर के बाहर अपने क़दम निकालने की ज़रूरत तक नहीं पड़ती क्योंकि सब कुछ ऑनलाइन ही तो है। इस पूरी प्रक्रिया में आपको किसी के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव या आमने-सामने खेल में शामिल होने की ज़रूरत नहीं पड़ती लिहाजा जब आप ऑनलाइन जुआ खेल रहे होते हैं तो आपको कोई नहीं देखता है। चूंकि यह पूरी तरह से ऑनलाइन जुआ है तो इसमें पैसे भी ऑनलाइन ही लगाने होते हैं। कई लोग सिर्फ़ अपने मनोरंजन के लिए ऑनलाइन जुआ खेलना शुरू करते हैं, लेकिन जल्द ही उन्हें इसकी लत लग जाती है। धीरे धीरे इसका असर उनकी ज़िंदगी पर पड़ने लगता है और कुछ लोगों पर इसका प्रतिकूल असर इतना होता है कि वो कंगाल तक हो जाते हैं। वे न केवल अपनी जमा पूंजी खोते हैं बल्कि अपना पूरा जीवन भी गंवा देते हैं क्योंकि कइयों ने इससे परेशान हो कर अपनी ज़िंदगी ही ख़त्म कर दी है।

दूसरी तरफ़, एक शोध के मुताबिक, जैसे जैसे लोगों के लिए मोबाइल फ़ोन रखना आसान हो रहा है वैसे ही वो इंटरनेट का भी बहुत तेज़ी से इस्तेमाल कर रहे है। जो लोग ऑनलाइन जुए में लगे हैं वो इसकी जानकारी बग़ैर किसी को दिए ऐसा कर रहे होते हैं. ख़ास कर जब इसका ख़राब असर उन पर पड़ता है तब वो इसे किसी अन्य व्यक्ति से साझा तक नहीं करते।

बिरसा मुंडा न केवल आदिवासी समुदाय बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत

करेली, देशबन्धु । शहर के सोमवार बाजार स्थित भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा के समीप उनकी जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे एवं समाजसेवी विनोद नेमा, नपा अध्यक्ष सुशीला ममार, उपाध्यक्ष अनीता नेमा, सत्यप्रकाश साहनी, रमेश चंद्र कोचर, रविशंकर कोल, रामनरेश कोल, पार्षद संगीता शर्मा, ज्योति सोनी के विशिष्ट अतिथि में कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया ।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

इस अवसर पर पूर्व नपा उपाध्यक्ष नीरज लूनावत ने अपनी विचार रखे उन्होंने विरसा मुंडा जी के बलिदान की सराहना की इसके साथ ही नपा अध्यक्ष सुशीला ममार ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके सिद्धांतों का वर्णन किया उसके साथ ही समाजसेवी विनोद नेमा ने बिरसा मुंडा के आदर्शों और उनकी शिक्षा पर प्रकाश डाला। उनके नेतृत्व में आदिवासी समाज ने औपनिवेशिक शासन और उनके द्वारा थोपे गए अन्यायपूर्ण कानूनों के खिलाफ ऐतिहासिक आंदोलन किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए उनके जीवन और आदिवासी समाज के लिए किए गए उनके संघर्षों को याद किया। उन्होंने कहा, बिरसा मुंडा न केवल आदिवासी समुदाय के बल्कि पूरे देश के प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका संघर्ष सिर्फ भूमि अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और स्वाभिमान की स्थापना के लिए था। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर समाज को सशक्त बनाना होगा। उक्त कार्यक्रम में स्थानीय बच्चों ने भी भगवान बिरसा मुंडा की जीवनगाथा पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमुदाय को उनके बलिदान और योगदान की स्मृति दिलाई। महिलाओं और युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में ब्रजेश माते संदीप ममार रजत चौहान उपेंद्र काले राकेश बड़कुर दीपक शर्मा पार्षद खालिक कुरैशी संजय जैन परसोत्तम चौरसिया हेमंत मेहरा गोल्डी नेमा बृजेंद्र राजपूत प्रखर दुबे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और विभिन्न समुदायों के लोग उपस्थित रहे।

शियल इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया वार्षिकोत्सव

मध्यप्रदेश और बिहार की सांस्कृतिक धरोहर का हुआ संगम

नरसिंहपुर, देशबन्धु। नगर के शियल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में मध्यप्रदेश और बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत किया गया। इस वर्ष के समारोह का मुख्य विषय 卐मध्यप्रदेश और बिहार की संस्कृति था, जिसमें दोनों राज्यों की अनूठी परंपराओं, कला और भोजन को प्रदर्शित किया गया। समारोह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें मध्यप्रदेश के गोंड और कच्छी घोड़ी नृत्य, साथ ही बिहार के प्रसिद्ध लावनी और झुमर नृत्य प्रस्तुत किए गए। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

साथ ही, भोजन के स्टॉल्स पर मध्यप्रदेश और बिहार की पारंपरिक विशेषताओं का स्वाद भी लिया गया। मध्यप्रदेश से प्रसिद्ध चना घास, मालपुआ, और सिवनी की पूरी के साथ ही बिहार की लिट्टी-चोखा, चूड़ा-दही और बिहार का आम का अचार का लुत्फ उठाया गया। इन खास स्टॉल्स ने दर्शकों को इन राज्यों की पारंपरिक स्वाद का अहसास कराया।

समारोह के इस आयोजन में न केवल सांस्कृतिक विविधता को दिखाया गया, बल्कि राज्य की एकता और भाईचारे का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में श्रीमती बलदीप कौर निदेशक वंडर बीट्स स्कूल जबलपुर एवं श्रीमती कृष्णा शर्मा प्राचार्य महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर शियल स्कूल के संचालक पंकज नेमा जी उपस्थित थे, जिन्होंने आयोजकों ,शिक्षको एवम बच्चो की सराहना करते हुए इस प्रकार के आयोजनों की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सके।

प्रथम आए प्राप्त छात्रों को किया गया सम्मानित

नरसिंहपुर, देशबन्धु। नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की 135 वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। इसके साथ विगत वर्षों से प्रारंभ श्रीमती मनोरमा वर्मा स्मृति सम्मान के अंतर्गत विद्यालय के कक्षा 5, 8, 9, 10, 11व 12वीं के प्रथम स्थान प्राप्त छात्रों को स्मृति चिन्ह,प्रशस्ति पत्र व नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार, कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. ए के चौबे, जिला सांख्यिकी अधिकारी गजेंद्र नायक, जिला विज्ञान अधिकारी प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, इंजीनियर विकास रंजन श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती पूजन, पंडित नेहरू एवं श्रीमती मनोरमा वर्मा के चित्रों पर माल्यार्पण से हुआ। सरस्वती पूजन के बाद श्रीमती शिराली श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की एवं सुश्री प्रीति नेमा, श्रीमती मालती कौछल, सीताराम मुड़िया, संजय साहू आदि ने अतिथियों का सम्मान किया। अतिथि सत्कार के बाद आनंद प्रकाश श्रीवास्तव ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के कृतित्व पर

प्रकाश डालते हुए एवं कार्यक्रम विवरण देते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में अधिकारियों ने कक्षा 5, 8, 9, 10, 11, 12 में सत्र 2024 में प्रथम स्थान पाने वाले छात्रों कु.अमृता, शिवेंद्र, साहिल नौरिया, हेमंत रजक,योगेश गडरिया व सौरभ पाल को स्मृति चिन्ह,प्रशस्ति पत्र व नगद राशि देकर सम्मानित किया। विद्यालय में प्रतिवर्ष श्रीमती मनोरमा वर्मा स्मृति सम्मान का आयोजन उनकी पुत्री श्रीमती शिराली विकास रंजन श्रीवास्तव एवं उनके पुत्र शिरीष गिरीश वर्मा के द्वारा किया जाता है। कार्यक्रम में सहसंचालन श्रीमती सीमा दीक्षित ने एवं आभार प्रदर्शन शिराली श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुंती कतिया, शालिनी जाट, मंजू पटेल, अंजू अवधिया,नमिता शुक्ला,दीपा शर्मा, रामकुमार पालीवाल, राहुल दुबे, नीता डेहरिया, निशा द्विवेदी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

बालक वर्गीय चयन प्रक्रिया आज

नरसिंहपुर, देशबन्धु। जिला क्रिकेट संघ नरसिंहपुर के द्वारा अंडर 18 बालक वर्गिकी चयन प्रक्रिया 17 नवंबर को सियाल इंटरनेशनल स्कूल खैरी नाका के मैदान पर दोपहर 2 बजे से की जावेगी जिन खिलाड़ियों की जन्म तिथि 31.8.2006 के बाद की है यह चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं वह अपना जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड लेकर मैदान पर पहुंच सकते हैं अधिक जानकारी के लिए पंकज नेम से 9425 170110 पर संपर्क कर सकते हैं।

बाल मेले का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर, देशबन्धु। बालदिवस पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुराछ में बाल-मेले का आयोजन किया गया । ग्राम मुराछ सरपंच प्रतिनिधि छोटेलाल व गणमान्य जनों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व चाचा नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया । कक्षा छठवीं से बारहवीं के बच्चों ने घर से बनाकर लाए हुए पौष्टिक व्यंजन कद्दू की खीर , इमली का अचार , आंवले का मुरब्बा , गुलाब जामुन बेसन व नारियल की बर्फी , पानी पूरी , पोहे-जलेबी व स्थानीय मौसमी फल तथा घर से बनाकर लाये हुए खिलौनों का विक्रय कर किसी कुशल व्यावसायी की संभावनाओं को जगाते हुए अपने कौशल का परिचय दिया । विद्यालय के मार्गदर्शी शिक्षक रश्मि जाट , विक्रम शर्मा , जय सोनी , सीताराम पटेल , शैलेन्द्र मेहरा , तुलसीराम पटेल,पी . एस राजपूत,दुर्गेश साहू,दिनेश पटेल प्रयोगशाला सहायक,अमित दुबे,निशा अग्निहोत्री,रुचि चौरसिया,वंदना चौरसिया ,उषा पचौरी के सहयोग से बच्चों के मध्य विविध खेल प्रतियोगिताओं चम्मच दौड़ , बोरा दौड़ , कबड्डी , कुर्सी दौड़ आदि का आयोजन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया।

मार्केट वॉच गाडरवारा
क्लासिफाईड विज्ञापन के लिए अनिल गुप्ता गाडरवारा से संपर्क करें। मोबाईल - 9424328221

सोसायटी फॉर अवेयरनेस एण्ड रूरल एडवांसमेंट, संबद्ध अध्ययन केन्द्र
अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल
Sara Group of Institutions
पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
• प्राथमिक चिकित्सा उपचार
• आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण
• योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा
• फैशन डिजायनिंग
• संगणक अनुप्रयोग डीसीए
प्रवेश प्रारंभ
एसआर एन्क्लेव, जमाड़ा रोड, महाराणा प्रताप वार्ड, गाडरवारा जिला-नरसिंहपुर, फोन-8989167883
स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम
• आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण
• आहार एवं जनस्वास्थ्य पोषण
• सायबर कानून
• जर्नलिज्म एवं मास कम्यूनिकेशन
• संगणक अनुप्रयोग पीजीडीसीए